पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक : सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : बुधवार 09 सितम्बर 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

धुरंधर के गाने पर मोदी की एंट्री, रैंप पर चले : जेन-जी संवाद में राहुल पर तंज- झूठ की गूंज से भटकाने वाले हर चौराहे पर मिलेंगे

नई दिल्ली एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की।

पीएम ने कहा, 'लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना।' मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर एक्स आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले क्क्रू रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे।

मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा। एक स्टूडेंट ने उन्हें तस्वीर भी गिफ्ट की।

मोदी ने कहा- 2004 में विचार, 2014 तक फाइलें चलती रहीं

1. फ्रेट कॉरिडोर पर 'नाराज फूफाजी' वाला तंज:

JNPT मुंबई से डबल कंटेनर मालगाड़ी चलने से एक बार में 250 से ज्यादा ट्रकों के बराबर माल मुंबई से वडोदरा पहुंचा। अब 'नाराज फूफाजी' पूछेंगे कि ट्रक वालों का क्या होगा, लेकिन देश के एक कोने से दूसरे कोने तक माल पहुंचाने के लिए ऐसी कनेक्टिविटी जरूरी है।

2. 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा:

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ और 2006 में विशेष कंपनी बनाई गई, लेकिन 2014 तक सिर्फ फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाती रहीं। 2014 के बाद हमारी सरकार ने इस प्रोजेक्ट को गति दी और करीब 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा किया।

3. पैसेंजर और मालगाड़ियों के लिए अलग-अलग ट्रैक:

पहले पैसेंजर और मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर चलती थीं, जिससे दोनों की रफ्तार प्रभावित होती थी। अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर रोज करीब 430 मालगाड़ियां चल रही हैं। ट्रक से सामान भेजने में करीब 30 घंटे लगते हैं, जबकि फ्रेट कॉरिडोर से करीब 10 घंटे में पहुंच सकता है।

4. एआई का सुपरपावर के लिए इकोसिस्टम जरूरी:

अगर भारत को एआई का सुपरपावर बनना है तो इसके लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार करना होगा। इसके लिए यूरेनियम और रेयर अर्थ मटेरियल की उपलब्धता बढ़ाने के साथ युवाओं की स्किल ट्रेनिंग और अपग्रेडेशन पर भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि स्किल पर फोकस किया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, पहले बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थीं

पीएम ने कहा, 'पहले की सरकार में बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थी। उसके भी सालभर ढोल पीटे जाते थे। अब एक के बाद एक नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अब नई ट्रेन से वडोदरा, उदयपुर और आलीराजपुर के लोगों को सुविधा होगा। इस साल रेल बजट पौने 3 लाख करोड़ से ज्यादा रहा है। एक बार पोर्ट, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन बन गया तो फिर रोजगार बढ़ना शुरू हो जाता है।'

मोदी बोले- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत की जीवन रेखा

पीएम ने कहा, 2014 के बाद आपने जो मुझे शिक्षा-दीक्षा थी, जो सीखकर दिल्ली पहुंचा था, मैंने दिल्ली में इसे गति देना प्रारंभ कर दिया। 2000 किमी के फ्रेट कॉरिडोर के काम पूरा करके दिखाया। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तेजी से विकसित होते भारत की जीवनरेखा है। इसने भारत के ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर कायाकल्प कर दिया है। पहले पैसेंजर ट्रेन जिस ट्रैक चलती थी, उसी पर मालगाड़ी भी चलती थी। यानी ट्रैवल और ट्रांसपोर्ट दोनों धीमे थे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने इस स्थिति को बदला है।'

पीएम ने कहा- डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर ने काम की संस्कृति बदली

पीएम ने कहा, 'वडोदरा तो गतिशक्ति यूनिवर्सिटी का शहर है। आज यहां से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की कड़िया जुड़ गई हैं। आज यहां डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पूरा हो गया। ये 21वीं सदी के लिए ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुआ है।'

'ये डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इस बात का साक्षी है कि बीते 12 साल में देश की काम करने की संस्कृति कैसे बदली है। इस डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ था। कई नौजवानों का तब जन्म भी नहीं हुआ था। 2006 में एक विशेष कंपनी बनाई गई, 2014 तक फाइलें ही यहां से वहां होती रहीं। फाइलें टेबल पर यात्रा कर रही थीं। इन फाइलों को भी डेडिकेटेड कॉरिडोर नसीब नहीं हुआ।'

पीएम ने कहा- वडोदरा का वीडियो देखकर सीना चौड़ा हो गया

पीएम मोदी ने कहा, 'मैं कल एक वीडियो देख रहा था। क्या ही मेरा वडोदरा है, सीना चौड़ा हो गया। पिछले एक हफ्ते से स्वच्छता का वातावरण बन गया है। जब गणेशजी पधारेंगे तो सारे आशीर्वाद वडोदरा पर बरसने वाले हैं। इस बार लाल किले से संकल्प की सप्तधारा का आह्वान किया था। विकसित भारत के लिए हमें ऐसी कनेक्टिविटी चाहिए, जो सुगम और जमाने के हिसाब से तेज भी हो।'

पीएम ने कहा- विकास का उत्सव शुरू

पीएम ने कहा, 'महाराजा सयाजी राव यूनिवर्सिटी का ये मैदान...अलग-अलग फील्ड में काम करने वाले साथियों का साथ, विकास का उत्सव, ये सब साथ हो रहा है। आज मैं विकसित भारत की यात्रा को और गति देने के लिए आपके बीच आया हूं। थोड़ी देर पहले यहां देश के विकास से जुड़े हजारों करोड़ के प्रोजेक्ट का लोकार्पण-शिलान्यास हुआ। इसके लिए मैं आपको बहुत बधाई देता हूं।'

राजस्थान के 162 नगरीय निकायों में आज वोटिंग

20 हजार से ज्यादा प्रत्याशी मैदान में, जयपुर के 565 बूथों पर होगा मतदान

जयपुर कासं। राजस्थान के 162 नगरीय निकायों (नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका) में पहले चरण में बुधवार को मतदान होगा। सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। मतदान केंद्रों की कंट्रोलिंग लेने के लिए मंगलवार को ईवीएम के साथ पोलिंग पार्टियां रवाना हो गईं। पहले चरण में जिन नगरीय निकायों में वोटिंग है, उनमें से 17 नगर पालिका के 25, चार नगर परिषद के 6 और एक नगर निगम के 1 वार्ड में निर्विरोध सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं।

जयपुर जिले की बात करें तो यहां 18 निकायों में 565 बूथों पर वोटिंग होगी।

इन नगर निगम में होगी वोटिंग- अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा

इन नगर परिषद में होगा मतदान- चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिजारा, खैरथल, भिवाड़ी, करौली, कुचामनसिटी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां, जालोर, झुंझुनूं, फतेहपुर (सीकर), सवाई माधोपुर, धौलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपूतली, ब्यावर, नागौर।

बारिश नहीं डालेगी बाधा

12 सितंबर तक प्रदेश में मानसून कमजोर है, इसलिए बारिश की चेतावनी नहीं है। वोटिंग में इस बार बारिश बाधा नहीं बनेगी।

जयपुर में आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे रोड शो: वोटरों को जूस बना पिलाते दिखे बीजेपी प्रत्याशी शंकर यादव, वॉलसिटी के कमजोर वार्डों पर बीजेपी का फोकस

जयपुर कासं। जयपुर में निकाय चुनाव की सरगर्मी अब तेज हो गई है। प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए प्रचार के साथ-साथ अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। भीषण गर्मी के बीच जयपुर के वार्ड 27 में चुनाव प्रचार का ऐसा ही अलग अंदाज देखने को मिला। बीजेपी प्रत्याशी शंकर यादव चुनाव प्रचार के दौरान जूस की दुकान पर पहुंचे। यहां उन्होंने सिर्फ जूस पिया ही नहीं, बल्कि खुद जूस बनाना शुरू कर दिया। शंकर यादव ने मौसमी का जूस तैयार किया और अपने हाथों से आम मतदाताओं और कार्यकर्ताओं को पिलाया। इस दौरान उन्होंने लोगों से बीजेपी के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

जूस की दुकान पर पहुंचे, खुद संभाला जूस का काम

शंकर यादव ने कहा कि भीषण गर्मी में आम जनता और पार्टी कार्यकर्ता लगातार उनके साथ मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने सोचा कि लोगों को गर्मी से कुछ राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि इसी सोच के साथ जूस की दुकान पर पहुंचकर खुद जूस बनाया और अपने हाथों से लोगों को पिलाया। यादव ने कहा कि जिस तरह वह चुनाव में जनता के बीच जाकर उनका आशीर्वाद मांग रहे हैं, उसी तरह चुनाव जीतने के बाद भी वार्ड की समस्याओं के लिए लगातार संघर्ष करेंगे।

बीजेपी प्रत्याशी पर मेनिफेस्टो चुराने का आरोप

वार्ड 10 से कांग्रेस प्रत्याशी वंदना जाखड़ ने बीजेपी प्रत्याशी पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। दरअसल बीजेपी

प्रत्याशी पलक यादव ने सीकर रोड पर 2 नंबर कट जो कि पिछले 6 महीने से बंद पड़ा था, उसे जेसीबी से खुलवा दिया। वंदना ने आरोप लगाया कि बीजेपी प्रत्याशी ने इसके लिए JDA से भी कोई अनुमति नहीं ली। वंदना ने कहा कि यह कट खुलवाना उनके मेनिफेस्टो में पहले नंबर पर था। ऐसे में बीजेपी प्रत्याशी ने वोट के लिए मेरा मेनिफेस्टो चुराया है।

पिंकी शर्मा घर-घर सुन रहीं समस्याएं

जयपुर में विद्याधर नगर विधानसभा के वार्ड-4 से पार्षद प्रत्याशी पिंकी शर्मा घर-घर जाकर लोगों की समस्याएं सुन रही हैं। साथ ही खुद के लिए वोट मांग रही हैं। उन्होंने लोगों से वादा किया है कि मैं आपकी समस्याओं का समाधान कराऊंगी और इन पर काम करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं महिलाओं के लिए बहुत कुछ करूंगी।

सांगानेरी गेट से शुरू होगा रोड शो

मुख्यमंत्री का रोड शो सुबह करीब 11 बजे सांगानेरी गेट से शुरू होगा। इसके बाद रोड शो जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया और छोटी चौपड़ होते हुए चांदपोल गेट तक पहुंचेगा। रोड शो के दौरान विभिन्न व्यापार मंडलों की ओर से मुख्यमंत्री का स्वागत किया जाएगा। चारदीवारी के बाजारों और प्रमुख इलाकों से गुजरने वाला यह रोड शो बीजेपी के लिए निकाय चुनाव प्रचार का बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना जा रहा है।

कमजोर वार्डों पर बीजेपी का फोकस, सीएम करेंगे रोड शो

जयपुर निकाय चुनाव में बीजेपी ने अब वॉलसिटी के उन वार्डों पर भी फोकस बढ़ा दिया है, जहां पार्टी को चुनावी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 8 सितंबर को जयपुर में रोड शो करेंगे।

सीएम का रोड शो चारदीवारी की तीन विधानसभा सीटों के करीब 20 वार्डों से होकर गुजरेगा। इन तीन विधानसभा सीटों में से दो पर पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी, जबकि हवामहल विधानसभा सीट बीजेपी के पास है।

त्रिकोणीय मुकाबले के सवाल पर बोले- ऐसा बिल्कुल नहीं

वार्ड 27 में त्रिकोणीय मुकाबले को लेकर पूछे गए सवाल पर शंकर यादव ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मुकाबला त्रिकोणीय नहीं है और विपक्षी प्रत्याशी बीजेपी से काफी पीछे हैं। यादव ने दावा किया कि क्षेत्र में बीजेपी सरकार की ओर से काफी विकास कार्य करवाए गए हैं। इन्हीं विकास कार्यों के आधार पर उन्हें भरोसा है कि जनता वोट के रूप में उनका आशीर्वाद देगी।

ब्रिक्स देश डिजिटल करेंसी से कारोबार की तैयारी में: छोटे कारोबारियों को बड़ी राहत; बिना कुछ गिरवी रखे ब्रिक्स देशों में कारोबार कर पाएंगे

नई दिल्ली एजेन्सी। भारत ब्रिक्स समिट के दौरान डिजिटल करेंसी को आपस में जोड़ने वाले एक पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। चीन और रूस,भारत के साथ मिलकर इसका ट्रायल करेंगे। इसका मकसद ब्रिक्स देशों के बीच कारोबार में अमेरिकी डॉलर जैसी किसी तीसरी करेंसी पर निर्भरता कम करना है। यानी देश आपस में सीधे अपनी-अपनी करेंसी में पेमेंट कर सकें। हालांकि कोई नई साझा करेंसी शुरू नहीं की जाएगी। इस सिस्टम में भारत का डिजिटल रुपया, चीन का डिजिटल युआन और रूस का डिजिटल रूबल एक साझा क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सिस्टम से जुड़ेंगे।

इसके साथ ही भारत के UPI, चीन के CIPS और रूस के SPFS जैसे मौजूदा पेमेंट सिस्टम को भी आपस में जोड़ने की तैयारी है। इससे हर देश अपनी करेंसी और अपने केंद्रीय बैंक का नियंत्रण बनाए रख सकेगा।

भारत को इससे क्या फायदा होगा

इस व्यवस्था से करेंसी बदलने का खर्च, बैंकिंग चार्ज और पेमेंट सेटल होने में लगने वाला समय कम हो सकता है। भारत और रूस के बीच अपनी-अपनी करेंसी में कारोबार पहले ही बढ़ रहा है।

ब्रिक्स के विस्तार के बाद इंडोनेशिया, ईरान और यूएई जैसे देश भी समूह में शामिल हो चुके हैं। इन देशों के बीच सीधे अपनी-अपनी करेंसी में पेमेंट की सुविधा बढ़ने से भारतीय आयातकों और निर्यातकों को फायदा हो सकता है।

नेपाल बाढ़- 7 सुरंगों में फंसे कर्मचारियों की तलाश जारी : अब तक 13 हजार से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू, 5 हजार अब भी लापता

नई दिल्ली एजेन्सी। नेपाल में आई बाढ़ के 13 दिन बाद भी राहत और बचाव अभियान जारी है। रेस्क्यू टीम अलग-अलग 7 हाईड्रोपॉवर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों की तलाश कर रही हैं।

अब तक 13 हजार से ज्यादा लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 4894 लोग अब भी लापता हैं। इनमें 587 विदेशी नागरिक शामिल हैं। पहाड़ी इलाकों, टूटे रास्तों और भारी मलबे के कारण बचाव अभियान में कई मुश्किलें आ रही हैं।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से 1,356 लोगों की मौत हुई है। वहीं तिब्बत में 43 लोगों की मौत हुई है और 519 लापता हैं।

5 हजार लापता लोगों की रेस्क्यू की उम्मीदें कम

नेपाल हादसे को 14 दिन हो गए हैं। अभी भी लगभग 5 हजार लोग लापता हैं। जैसे ही दिन बढ़ रहे हैं, उनके रेस्क्यू की उम्मीदें भी खत्म होती जा रही है।

चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 6 लोग फंसे

नेपाल के चिलिमे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में 6 लोग फंसे हैं। इन्हें बचाने के लिए भारतीय सेना की 35 सदस्यीय टीम, नेपाल सेना और अन्य रेस्क्यू टीमें अभियान चला रही हैं।

करीब 250 मीटर लंबी टनल में टीम 130 मीटर तक पहुंच चुकी है। प्रोजेक्ट में मौजूद 71 लोग सुरक्षित निकल चुके हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने में अभी 3-4 दिन लग सकते हैं।

नेपाल ने 2 करोड़ डॉलर का मुआवजा मांगा

नेपाल ने बाढ़ से हुए नुकसान के लिए 2 करोड़ डॉलर (लगभग 189 करोड़ रुपए) का मुआवजा मांगा है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने ब्रिटिश अखबार द गार्डियन को दिए इंटरव्यू में कहा कि, जिन देशों के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जलवायु परिवर्तन बढ़ रहा है, उन्हें अब मदद के लिए आगे आना चाहिए।

नेपाल का कहना है कि वह दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 0.1% से भी कम योगदान करता है। इसके बावजूद जलवायु परिवर्तन का असर उस पर काफी ज्यादा पड़ रहा है। यहां तापमान दुनिया के औसत तापमान से करीब 50% ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, 30 साल में नेपाल के पहाड़ों ने करीब एक-तिहाई बर्फ खो दी है।

सैटेलाइट तस्वीरों में देश से 90% बादल गायब

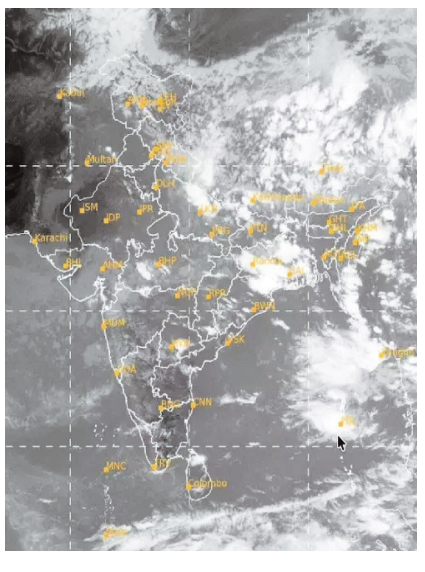

बिहार में बाढ़ से 27 लाख लोग प्रभावित; महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से ज्यादा बारिश

नई दिल्ली एजेन्सी। मौसम विभाग की नई सैटेलाइट तस्वीरों में भारत के 90% हिस्से में बादल गायब नजर आ रहे है। खासकर उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में बादलों की कमी ज्यादा दिखाई दे रही है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, यह मानसून की गतिविधि कमजोर होने का संकेत है। हालांकि, मानसून की आधिकारिक वापसी अभी शुरू नहीं हुई है। बादलों की इस कमी को अल नीनो के प्रभाव यानी समुद्र के गर्म होने से मौसम में हो रहे बड़े बदलावों से जोड़कर देखा जा रहा है।

बिहार में गंगा, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और बागमती नदियों के उफान से बाढ़ की स्थिति बन गई है। राज्य के 13 जिलों में 27 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के कारण अब तक 20 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

महाराष्ट्र के अंबोली में चेरापूंजी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। ढ्ढरूष्ठ के मुताबिक, यहां अगस्त तक 250 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। सितंबर तक 400 इंच बारिश होने की संभावना है।

आयुष्मान आदर्श ग्राम योजनाः 20 सितंबर तक पांचों चयनित ग्राम पंचायतों में 18 स्वास्थ्य सूचकांकों की शत-प्रतिशत प्रगति के निर्देश

जिला परिषद सीईओ शैलजा पांडे की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित – शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने वाली प्रत्येक ग्राम पंचायत को मिलेगी 11 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद, आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं चयनित ग्राम पंचायतों में निर्धारित स्वास्थ्य सूचकांकों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती शैलजा पांडे की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में सीईओ शैलजा पांडे ने निर्देश दिए कि आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत जिले की चयनित पांच ग्राम पंचायतों में आगामी 20 सितंबर तक सभी 18 स्वास्थ्य सूचकांकों पर शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य पूर्ण होने के बाद संबंधित ग्राम पंचायतों का प्रस्ताव नियमानुसार तैयार कर राज्य स्तर पर भिजवाया जाए, ताकि पात्र पांचों ग्राम पंचायतों को 11-11 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि इस राशि का उपयोग संबंधित आयुष्मान आरोग्य केंद्रों के बेहतर संचालन एवं रख-रखाव में किया जा सकेगा।

जिले की पांच ग्राम पंचायतों का हुआ था चयन बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के तहत पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों को स्वस्थ एवं निरोगी बनाने के उद्देश्य से आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना प्रारंभ की गई है। योजना के प्रथम चरण में जिले की पांच ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। इनमें कोलायत पंचायत समिति की गुड़ा और हदां ग्राम पंचायत, श्रीडूंगरगढ़ की बाडेला ग्राम पंचायत,बीकानेर की कोलासर ग्राम पंचायत और पूगल की रामनगर ग्राम पंचायत शामिल हैं।जिले में

कुल 57 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिनमें से इन पांच आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना के लिए चयनित किया गया है।18 स्वास्थ्य सूचकांकों पर किया जा रहा है कार्यबैठक में आयुर्वेद विभाग के सहायक जिला नोडल अधिकारी एवं सहायक निदेशक डॉ रिड़मल सिंह राठौड़ ने योजना के तहत जिले में हुई प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित ग्राम पंचायतों में निर्धारित 18 स्वास्थ्य सूचकांकों के आधार पर विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

इनमें प्रकृति परीक्षण, महिलाओं एवं किशोरियों में रक्ताल्पता की जांच एवं उपचार, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह रोगियों की स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य प्रबोधन, तंबाकू मुक्त ग्राम, औषधीय पौधों के प्रति जागरूकता एवं रोपण, सामान्य बीमारियों में घरेलू उपचार को बढ़ावा, ऋतुचर्या एवं मौसमी बीमारियों से बचाव, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता तथा स्वस्थ जीवनशैली, प्रत्येक परिवार का स्वास्थ्य प्रोफाइल, टीबी मुक्त ग्राम पंचायत, मीजल्स-रूबैला मुक्त ग्राम पंचायत आदि शामिल हैं।इसके साथ ही शत-प्रतिशत प्रसव पूर्व देखभाल, संस्थागत प्रसव, संपूर्ण टीकाकरण, 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच एवं प्रबोधन, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में पंजीकरण व कार्ड वितरण तथा मोतियाबिंद रोगियों की जांच एवं उपचार भी इन सूचकांकों में शामिल हैं।

पारंपरिक चिकित्सा एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना उद्देश्य

योजना का प्रमुख उद्देश्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आमजन के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आहार-विहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या और प्रकृति परीक्षण जैसी स्वास्थ्यप्रद आदतों को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से ग्रामीण आबादी को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ते हुए स्वस्थ एवं निरोगी समाज के निर्माण की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

शत-प्रतिशत उपलब्धि पर 11 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि

चयनित ग्राम पंचायत द्वारा निर्धारित सभी 18 स्वास्थ्य सूचकांकों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित किए जाने पर 11 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। लक्ष्य प्राप्त करने वाली ग्राम पंचायत का प्रस्ताव ग्राम पंचायत स्तरीय समन्वय समिति के माध्यम से खंड स्तरीय समिति को भेजा जाएगा। अनुमोदन के बाद प्रस्ताव जिला स्तरीय समिति को तथा जिला स्तर से अनुमोदन के पश्चात अंतिम चयन के लिए राज्य स्तरीय समिति को भेजा जाएगा।

बैठक में आईएएस स्वाति शर्मा, आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना की जिला नोडल अधिकारी एवं एसीईओ ऋतुराज महला, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. पवन कुमार पारीक, चयनित पांचों आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के प्रभारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए ध्यान सत्र आयोजित

विपस्सना से सीखी मानसिक एकाग्रता की कला

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद राजकीय डूंगर महाविद्यालय में सोमवार को बाल मित्र प्रोजेक्ट के अंतर्गत बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विपस्सना ध्यान सत्र का आयोजन किया गया।सत्र का शुभारंभ प्रो. अन्नाराम शर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में बढ़ते तनाव को दूर करने, मानसिक शांति और एकाग्रता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा बाल मित्र प्रोजेक्ट प्रारंभ किया गया है।कार्यक्रम में ध्यान आचार्य ने विद्यार्थियों को विपस्सना ध्यान के मूलभूत सिद्धांतों, श्वास पर ध्यान केंद्रित करने (आना पाना सति) और अपनी शारीरिक व मानसिक संवेदनाओं के प्रति जागरूक रहने की तकनीक का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि आज के डिजिटल युग और प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में विद्यार्थियों के लिए मानसिक स्पष्टता और आत्म-नियंत्रण बेहद आवश्यक है। विपस्सना के नियमित अभ्यास से न केवल अकादमिक प्रदर्शन में सुधार होगा। साथ ही मानसिक तनाव और चिंताओं से भी स्थायी राहत मिलेगी।इस दौरान धम्मा थली विपस्सना ध्यान केंद्र के अनिल मेहता ने तनावमुक्ति रहने के तरीकों के बारे में बताया।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस सत्र से उन्हें अत्यधिक मानसिक शांति का अनुभव हुआ है और वे इसे अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करेंगे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला चारण ने किया।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद,। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत सम्मिलित प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिए आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी उत्कृष्ट ढंग से कराने एवं समान अवसर प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा ऑनलाईन पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में कोचिंग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों से सत्र 2026-27 के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक मनोज कुमार गहलोत ने बताया कि योजना के तहत 8 सितम्बर से ऑन लाईन आवेदन शुरू हो गए हैं और आवेदन की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन स्स्ह Portal (https://sso.rajasthan.gov.in) पर लॉगिन कर CM Anuprati Coaching icon पर क्लिक कर CM Anuprati Coaching Scheme का चयन कर ड्रापडाउन में से Student के विकल्प पर जाकर 7 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाईन कर सकते हैं।

पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर धर्माराधना से गूंजा महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल : दक्षिण मुंबई

(खबर आस पास)

मुंबई। पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर कालबादेवी स्थित महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल का प्रांगण श्रद्धालु श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति से पूरी तरह भर गया। आध्यात्मिक वातावरण के बीच पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस का शुभारंभ हुआ।सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से मंगलाचरण कर महापर्व की मंगल शुरुआत की। प्रथम दिवस का मुख्य विषय 'खाद्य संयम दिवस' रहा। शासन श्री साध्वीश्री कंचनप्रभाजी ने कहा – हम अनुभव कर रहे हैं कि पर्युषण पर्व आते ही चारों ओर जिनशासन की प्रभावना में, मैत्री, करुणा, पवित्रता के साथ आत्म आराधना में जन चेतना की गहराई के साथ आत्मदर्शन में लग जाती है कि जीवन में क्या खोया, क्या पाया। सभी श्रावक-श्राविकाएँ ज्ञान, दर्शन, चरित्र की साधना में लग जाते हैं।साध्वीश्री उदितप्रभाजी ने खाद्य संयम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साध्वीवृंद ने एक सुंदर गीत के द्वारा समझा दिया कि पर्युषण पर्व की उपलब्धि ही हमारी जीवनशैली है।शासन श्री साध्वीश्री मंजूरेखाजी ने कर्मसूक्त के आधार पर प्रवचन करते हुए भगवान पार्श्वनाथ के पूर्व जन्मों को व्याख्यायित करते हुए बताया कि भगवान पार्श्वनाथ ने भी क्षमा याचना से मंजिल को प्राप्त किया है।

प्रातः 6 बजे से अखंड जाप का शुभारंभ हुआ, जो पर्युषण महापर्व के संपूर्ण दिनों में निरंतर जारी रहेगा। अखंड जाप के माध्यम से पूरे परिसर में भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है।पर्युषण महापर्व का आयोजन आचार्य महाप्रज्ञ विद्यानिधि फाउंडेशन, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल एवं अणुव्रत समिति दक्षिण मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। महापर्व के प्रत्येक दिन विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

प्रतिक्रमण के पश्चात रात्रिकालीन समय में भी आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित है, जिससे श्रद्धालु दिनभर धर्माराधना के साथ रात्रि में भी अध्यात्म के रंग में सराबोर होंगे।पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस पर महाप्रज्ञ पब्लिक स्कूल में उमड़ा जनसैलाब इस बात का साक्षी रहा कि श्रद्धालुओं में धर्म, साधना और अध्यात्म के प्रति गहरी आस्था एवं उत्साह है।

नेत्रदान जागरूकता के लिए श्रीडूंगरगढ़ में बढ़े कदम, राष्ट्रीय स्तर पर 2000 पार हुआ संकल्प का आंकड़ा

राजकीय नेत्र चिकित्सालय में जागरूकता अभियान आयोजित

(खबर आस पास)

श्रीडूंगरगढ़। तेरापंथ युवक परिषद् श्रीडूंगरगढ़ द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के 'Vision for Visionless 2.0' अभियान के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े (25 अगस्त से 8 सितंबर) के तहत मंगलवार को श्री बेगराज सोमानी राजकीय नेत्र चिकित्सालय में नेत्रदान जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।कार्यक्रम में चिकित्सालय में कार्यरत डॉ. सुनील जी गोयल ने नेत्रदान के महत्व को समझते हुए स्वयं नेत्रदान का संकल्प लिया तथा समाज में अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।इस अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद् श्रीडूंगरगढ़ के अध्यक्ष विक्रम जी मालू एवं नेत्रदान प्रवृत्ति सलाहकार अशोक जी झाबक ने नेत्रदान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाने वाला पुनीत कार्य है, जिसके माध्यम से किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में दृष्टि का उजाला लौटाया जा सकता है। उन्होंने नेत्रदान से जुड़ी भ्रांतियों एवं शंकाओं को दूर करते हुए लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया।परिषद् के कोषाध्यक्ष चमन श्रीमाल ने एक छोटे से प्रयोग के माध्यम से उपस्थितजनों को सरल तरीके से समझाया कि नेत्रदान क्यों आवश्यक है और इससे जुड़ी भ्रांतियों को कैसे दूर किया जा सकता है। उन्होंने कार्यक्रम में सहयोग के लिए चिकित्सालय के चिकित्सकों एवं समस्त टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान श्री बेगराज सोमानी राजकीय नेत्र चिकित्सालय का सम्मान कर संस्था द्वारा प्रदान की जा रही महत्वपूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।को इस मानवीय अभियान से जोड़ना है।कार्यक्रम में परिषद् के उपाध्यक्ष रजत जी सिंघी, रोशन जी सिंघी, शुभम जी बोथरा सहित परिषद् के कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर उपस्थितजनों ने स्वयं नेत्रदान का संकल्प लेने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। 'नेत्रदान करें-मृत्यु के बाद भी किसी की दुनिया रोशन करें।'

परिषद् ने सभी नागरिकों से नेत्रदान का संकल्प लेने तथा इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया है। लिंक के माध्यम से ऑनलाइन संकल्प पत्र भरा जा सकता है। फॉर्म भरते समय परिषद् में 'श्रीडूंगरगढ़' का चयन करना है।

नेत्रदान का संदेश जन-जन तक : तेयुप दक्षिण मुंबई द्वारा जागरूकता बैनर का अनावरण

(खबर आस पास)

मुंबई। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद, दक्षिण मुंबई द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता बैनर का अनावरण किया गया।

इस अवसर पर BMC की Standing Committee तथा Law Committee के सदस्य तजिंदर सिंह तिवाना एवं वार्ड क्रमांक 219 के BJP से नगरसेवक तथा दक्षिण मुंबई युवा अध्यक्ष सनी सानप की उपस्थिति में नेत्रदान जागरूकता बैनर का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में तेरापंथ युवक परिषद, दक्षिण मुंबई के अध्यक्ष सुमीत सुराणा, सहमंत्री मिखिल डागलिया, संगठन मंत्री दीपक कछारा तथा BJP जैन प्रकोष्ठ, महाराष्ट्र के प्रदेश महामंत्री विकास अछा सहित परिषद के सदस्य उपस्थित रहे।अतिथियों ने नेत्रदान जैसे महत्वपूर्ण जनसेवा अभियान की सराहना करते हुए नागरिकों से नेत्रदान का संकल्प लेने एवं इस पुनीत अभियान से अधिकाधिक संख्या में जुड़ने का आह्वान किया। बैनर अनावरण के माध्यम से नेत्रदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और समाज में सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

रूबरू थिएटर और विजय सूरी फाउंडेशन द्वारा चतुर्थ राष्ट्रीय एक्सीलेंस अवार्डस का भव्य आयोजन

(खबर आस पास)

नई दिल्ली। भारतीय रंगमंच केवल मंच पर अभिनय का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं और विचारों का जीवंत दस्तावेज़ है। इसी परंपरा को साकार रूप दिया रूबरू थिएटर और विजय सूरी फाउंडेशन ने, जब दिल्ली के मंडी हाउस स्थित ब्लैंक कैनवस सभागार में दो दिवसीय 8वाँ विजय सूरी राष्ट्रीय थिएटर महोत्सव और 4th नैशनल एक्सीलेंस अवार्डस का आयोजन किया गया। साहित्य, संस्कृति व भाषा के संरक्षण का उद्देश्य लेकर रूबरू थिएटर ग्रुप ने पूरे भारत में सैकड़ो शोकिए हैं।रुबरु थिएटर ग्रुप अपनी साहित्यिक प्रस्तुतियों द्वारा समाज के साथ खड़ा है और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध और सृजनरत है। रूबरू की सभी प्रोडक्शंस न केवल व्यापक रूप से सराही गई बल्कि नाटकों की गुणवत्ता

के लिए भी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित की गई। इस ग्रुप द्वारा समय समय पर विविध आयोजन किए जाते रहे हैं।वर्ष 2023 में रूबरू थिएटर ने अपने दस वर्ष पूरे किए। इस यादगार अवसर पर विजय सूरी राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान की घोषणा हुई । साथ ही नेशनल एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 25 विजय सूरी फाउंडेशन द्वारा किया गया। इस वर्ष डॉ. दिलीप को लेखन और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु, डॉ.सरला मेहता को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु एवं सुश्री निरुपमा वर्मा मीडिया और थिएटर के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु दिया गया। ये सम्मान केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं हैं, बल्कि एक सतत प्रेरणा हैं कि कला और सृजन की यह ज्योति पीढ़ी दर पीढ़ी जलती रहे।इन विभूतियों का सम्मान यह दर्शाता है कि कला और संस्कृति का सार केवल रंगमंच तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्टता ही उसका वास्तविक विस्तार है।